भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3162

06.12.2019 को उत्तर के लिए

स्वच्छ निर्मल तट अभियान

3162. श्री सुधीर गुप्ता :
श्री गजानन कीर्तिकर :
श्री प्रतापराव जाधव :
श्री मोहनभाई सांजीभाई देलकर :
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक :
श्री विद्युत बरन महतो :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश के तटीय क्षेत्रों में बिखरे कचरे के संबंध में कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने हाल ही में स्वच्छ निर्मल तट अभियान के तहत पचास समुद्र तटों में स्वच्छता सह जागरूकता अभियान चलाया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में जनता से मिली प्रतिक्रिया का समुद्र तट-वार ब्यौरा सहित उक्त अभियान के तहत स्वीकृत राशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) एकत्र और निपटान किए गए ठोस कचरे की कुल मात्रा कितनी है और कुल कितने स्वयंसेवकों ने इसमें भाग लिया है और साफ किए गए समुद्र तटों का कुल क्षेत्रफल कितना है;

(ङ) क्या सरकार का निकट भविष्य में इस तरह के जागरूकता/सफाई अभियान आयोजित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) तटीय पारिस्थितिकी तंत्र और समुद्र तट स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करने वाले लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए सरकार द्वारा आगे उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) समुद्र तट पर बिखरा कूड़ा/कचरा विशेष रूप से पर्यावरणीय चिंता का विषय बन गया है। तथापि, देश में तटीय क्षेत्रों में बिखरे कचरे की मात्रा के संबंध में कोई विशिष्ट आकलन नहीं किया जाता है।

(ख) और (ग) इस मंत्रालय ने 10 तटीय राज्यों नामश: गुजरात, दमन और दीव, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुड्डुचेरी, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 50 समुद्र तटों पर दिनांक 11 से 17 नवंबर, 2019 के दौरान 'स्वच्छ-निर्मल तट अभियान' नामक एक सप्ताह तक चले गहन समुद्र तटीय स्वच्छता सह जागरुकता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान में हितधारकों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की जिनमें विशेष रूप से स्कूल/कॉलेज के छात्र, स्वयं-सेवक, जन प्रतिनिधि, राज्य सरकारों और सिविल सोसायटी संगठनों के अधिकारी शामिल थे। तटीय पारिप्रणालियों की सुरक्षा और संरक्षण के महत्व के बारे में सभी हितधारकों को यथोचित संवेदनशील बनाते हुए इस अभियान के दौरान जन जागरुकता अभियान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, परामर्श सत्र, शपथ ग्रहण समारोह, नारा लेखन, रैली आदि का आयोजन भी किया गया था। 18 समुद्र तट स्थलों पर समुद्र तट की मशीनों द्वारा सफाई भी की गई थी जिसके फलस्वरूप बेहतर साफ-सफाई हुई। इस अभियान को चलाने के लिए प्रत्येक समुद्र तट के लिए प्रतिदिन लगभग 77000/- रुपए आबंटित किए गए थे।

(घ) इस अभियान की अवधि के दौरान, 50 समुद्र तट स्थलों से लगभग 238 टन मिश्रित ठोस अपशिष्ट का एकत्रण और निपटान किया गया। इस अभियान में सभी 50 समुद्र तटों पर लगभग 70,200 स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अभियान के तहत प्रत्येक स्थल पर लगभग 1 किमी लंबे समुद्र तट पर साफ-सफाई का कार्य किया गया था।

(ड.) और (च) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय समाज के सभी वर्गों में पर्यावरणीय जागरुकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तथा पर्यावरण के संरक्षण हेतु जन भागीदारी जुटाने के लिए पर्यावरण शिक्षा, जागरुकता और प्रशिक्षण स्कीम क्रियान्वित कर रहा है। इस मंत्रालय के राष्ट्रीय हरित कोर (एनजीसी) के अंतर्गत लगभग एक लाख स्कूलों को पारि-क्लबों के रूप में अभिज्ञात किया गया है जिसमें लगभग तीस लाख छात्र तटीय क्षेत्रों में विभिन्न पर्यावरणीय सुरक्षा और संरक्षण कार्यकलापों, समुद्र तट स्वच्छता कार्यकलापों और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अन्य मुद्दों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

****